गुरुग्राम में कचरा संकट

चर्चा में क्यों?

गुरुग्राम नगर निगम द्वारा वर्ष 2024 के सर्वेक्षण में **शहर में** लगभग **100 अवैध डंपिंग** स्थलों की पहचान की गई है, जिनमें गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड के साथ **अरावली सबसे अधिक प्रभावित हैं।**

- वर्ष 2024 में अपशिष्ट संकट की घोषणा करने के बावजूद, अधिकारी 2021 से एक समर्पित अपशिष्ट संग्रह एजेंसी नियुक्त करने में विफल रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - **लोकसभा और विधानसभा चुनावों** के दौरान चर्चा के बावजूद अवैध डंपिंग का मुद्दा महत्त्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करने में विफल रहा।
  - स्थिति बिगड़ने के कारण अब स्थानीय नेता स्पष्ट समाधान की मांग कर रहे हैं।
  - पर्यावरणविदों ने कार्रवाई की कमी की आलोचना करते हुए कहा कि गुरुग्राम एक विशाल कंक्रीट डंपयार्ड में बदल गया है।
  - अनियंत्रित मलबा डंपिंग के कारण **हरित पट्टी,** खाली स्थान और सड़कें अवरुद्ध हो रही हैं, जिससे **गंभीर जलभराव हो रहा है।**
- **अरावली पर्वत श्रेणी**
  - अरावली, **पृथ्वी पर सबसे पुराना वलित पर्वत है।** भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि यह तीन अरब साल पुराना है।
  - यह **गुजरात से दिल्ली** (राजस्थान और हरियाणा से होकर) तक 800 किमी. से अधिक तक फैला हुआ है।
  - अरावली पर्वतमाला की सबसे **ऊँची चोटी माउंट आबू पर स्थित गुरु शिखर है।**
- **जलवायु पर प्रभाव:**
  - अरावली पर्वतमाला का उत्तर-पश्चिम भारत और उससे आगे की जलवायु पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
  - मानसून के दौरान, पर्वत शृंखला मानसून के बादलों को धीरे-धीरे पूर्व की ओर शिमला और नैनीताल की ओर ले जाती है, जिससे **उप-हिमालयी नदियों तथा उत्तर भारतीय मैदानों को पोषण मिलता है।**
  - सर्दियों के महीनों के दौरान, यह **सिंधु और गंगा की उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों को मध्य एशिया से आने वाली** कठोर **ठंडी पश्चिमी हवाओं से बचाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gurugrams-garbage-crisis